राजस्थान सरकार

प्रशासनिक प्रगति प्रतिवेदन
वर्ष 2024–25

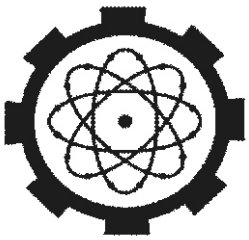

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
जयपुर

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार

प्रशासनिक प्रगति प्रतिवेदन
वर्ष 2024–25

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
जयपुर

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	प्रस्तावना व उद्देश्य	1–2
2.	निदेशन एवं प्रशासन	3–9
3.	बजट प्रावधान एवं प्रमुख उपलब्धियां वित्तीय वर्ष 2024–25 हेतु	10–12
4.	गतिविधियां एवं कार्यक्रम	12–22
	1. स्टेट रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन सेन्टर (राज्य सुदूर संवेदन अनुप्रयोग केन्द्र)	12–14
	2. विज्ञान संचार एवं लोकप्रियकरण	14–20
	3. विज्ञान समाज प्रभाग	20–21
	4. उद्यमिता विकास प्रभाग	21
	5. अनुसंधान एवं विकास प्रभाग	21
	6. जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग	21–22
	7. पेटेन्ट सूचना केन्द्र	22

प्रस्तावना

राज्य के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को उद्देश्यपूर्ण ढंग से प्रोत्साहित करने एवं राज्य की नीतियों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के समावेश हेतु परामर्श एवं सहयोग प्रदान करने हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना 1983 में की गयी।

उद्देश्य

- सामाजिक–आर्थिक विकास के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों को बढ़ावा देने के क्रम में नीति निर्धारण हेतु सहयोग प्रदान करना।
- बेरोजगारी, पिछड़ेपन एवं गरीबी की समस्या के समाधान हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्रों का चिन्हीकरण कर सामाजिक–आर्थिक विकास के उद्देश्यों की प्राप्ति।
- शैक्षणिक, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी संस्थानों में अनुसंधान को बढ़ावा देना एवं उत्कृष्ट केन्द्रों की स्थापना एवं उनका संचालन।
- राज्य के प्राकृतिक संसाधनों के लाभप्रद उपयोग हेतु संस्थानों/संगठनों के सहयोग से विकास एवं अनुसंधान परियोजनाओं के निर्धारण हेतु सहयोग/ सहायता/समन्वय स्थापित करना।
- अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नये क्षेत्र जैसे – नैनो टैक्नोलॉजी, बायोटैक्नोलॉजी, उपग्रह संचार, प्लाज्मा तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी का मानकीकरण आदि में गतिविधियों का निर्धारण एवं क्रियान्वयन।
- जन सामान्य में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने एवं विज्ञान के लोकप्रियकरण हेतु विज्ञान उद्यान/विज्ञान केन्द्रों की स्थापना एवं संचालन।
- विद्यालय स्तर पर विज्ञान विषय की शिक्षा की अवस्थिति का आकलन एवं विज्ञान विषय के अध्ययन के सुदृढ़ीकरण हेतु शिक्षा विभाग को सहयोग प्रदान करना।
- प्रौद्योगिकी हस्तानंतरण एवं सफल प्रौद्योगिकी का राज्य के विभागों के माध्यम से पुनरावृत्ति हेतु अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों/सी.एस.आई.आर. प्रयोगशालाओं से सहभागिता करना।
- राज्य की वैज्ञानिक संस्थाओं एवं अन्य राज्यों की विज्ञान परिषदों से कार्यक्रम आधारित सहयोग एवं समन्वय स्थापित करना।
- सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली ;ळप्द्ध के माध्यम से राज्य के प्राकृतिक संस्थानों का डाटा बेस तैयार करना एवं इन आंकड़ों का उपयोग राज्य स्तरीय विकास परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों के निर्धारण हेतु किया जाना।

- मानव संसाधन विकास की विशिष्ट आवश्यक पहचान हेतु उद्योगों एवं शैक्षणिक संस्थानो में संबंध स्थापित करने की संभावनायें खोजना। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में षिक्षित व्यक्तियों हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित करना।
- राज्य के लिये विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी दृष्टिकोण दस्तावेज का निर्धारण।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अन्तराल के चिन्ह्रीकरण में सहायता एवं व्यूहरचना बनाने में सेतु का काम करना।
- आधारभूत स्तर के नवप्रर्वतकों की सृजनशीलता को बढ़ावा देने, नवप्रवर्तकों द्वारा किये जा रहे प्रयासों को स्टेट इनोवेशन कॉउसलिंग के माध्यम से मान्यता प्रदान करने तथा नवाचारों को व्यावहारिक रूप में क्रियान्वित करने के लिये आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना।
- बौद्धिक सम्पदा अधिकार की ऐसी व्यवस्था प्रदान करना जिसमें सभी प्रकार के आविष्कारकों को बौद्धिक सम्पदा के सृजन एवं संरक्षण हेतु प्रेरणा मिल सके। इस पद्धति के अन्तर्गत लोकहित में इन आविष्कारों के प्रभावी देशीय वाणिज्यकरण हेतु प्रभावी सहयोग एवं विशुद्ध नीति परिवेश का निर्माण करना।

निदेशन एवं प्रशासन

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का निदेशालय जयपुर में स्थित है तथा उदयपुर, बीकानेर, कोटा, अजमेर (मुख्यालय जयपुर), भरतपुर एवं जोधपुर में विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित किये गये हैं। सुदूर संवेदन अनुप्रयोगों हेतु एक विशिष्ट केन्द्र ''स्टेट रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेन्टर'' जोधपुर में कार्यरत है। वित्तीय वर्ष 2024–25 की बजट घोषणा में सरसेक उपकेन्द्र जयपुर में स्थापित किया जा रहा है। साथ ही विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद्, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र, जयपुर एवं उपक्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र, जोधपुर की स्थापना की गई है।

विभाग में दिनांक 31.12.2024 को कुल 202 पद स्वीकृत है। जिसमें से 84 पद आयोजना भिन्न मद तथा 96 पद आयोजना मद एवं 22 केन्द्रीय प्रर्वतित योजना में स्वीकृत हैं। बजट मद वार पदों की स्थिति निम्नानुसार है :–

बजट मदवार पदों की प्रस्तावित स्थिति

मद	स्वीकृत पद	रिक्त पद
आयोजना भिन्न	84	25
आयोजना एवं केन्द्रीय प्रर्वतित योजना	118	81
योग	**202**	**10**6

स्वीकृत पदों का कार्यालयवार विवरण :–

मुख्यालय, जयपुर

क्र. सं.	पद का नाम	बजट मद				
		आयोजना भिन्न	आयोजना		योग	रिक्त पद
			आयोजना	केन्द्र सहायता		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**
1	आयुक्त/निदेशक	0	0	1	1	1
2	उपनिदेशक (आयोजना)	0	0	1	1	0
3	परियोजना निदेशक	0	0	1	1	0
4	संयुक्त निदेशक	0	2	0	2	2
5	मुख्य लेखाधिकारी	1	0	0	1	0

6	उपनिदेशक	0	2	0	2	0
7	सहायक निदेषक	0	4	0	4	2
8	परियोजना अधिकारी	0	0	1	1	1
9	अनुसंधान अधिकारी	0	0	2	2	1
10	एनालिस्ट कम प्रोग्रामर	0	1	0	1	1
11	प्रोग्रामर	3	0	0	3	1
12	सहायक सांख्यिकी अधिकारी	2	0	0	2	0
13	अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी	1	0	0	1	0
14	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	1	0	1	2	1
15	सहायक लेखाधिकारी ग्रेड–।	1	0	0	1	0
16	सहायक लेखाधिकारी ग्रेड–।।	1	0	0	1	0
17	कनिष्ठ लेखाकार	2	0	0	2	0
18	कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	0	0	4	4	4
19	निजी सचिव	1	0	0	1	0
20	अतिरिक्त निजी सचिव	0	0	2	2	0
21	निजी सहायक–।	0	0	2	2	2
22	निजी सहायक–।।	0	0	1	1	0
23	पुस्तकालयाध्यक्ष	0	0	1	1	1
24	वरिष्ठ सहायक	2	0	0	2	0
25	कनिष्ठ सहायक	4	0	0	4	1
26	सहायक प्रोग्रामर	0	2	0	2	0
27	सूचना सहायक	0	6	0	6	1
28	वाहन चालक	4	0	0	4	3
29	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	7	0	0	7	1
योग		**30**	**17**	**17**	**64**	**23**

राज्य सुदूर संवेदन अनुप्रयोग केन्द्र, जोधपुर

क्र. सं.	पद का नाम	बजट मद				
		आयोजना भिन्न	आयोजना		योग	रिक्त पद
			आयोजना	केन्द्र सहायता		
1	2	3	4	5	6	7
1	परियोजना निदेशक	0	0	1	1	0
2	एनालिस्ट कम प्रौग्रामर ACP	1	0	0	1	0
3	सहायक निदेशक	0	4	0	4	4
4	अनुसंधान अधिकारी	0	0	1	1	0
5	सहायक मृदा सर्वे. अधिकारी	1	0	0	1	0
6	प्रौग्रामर	1	1	0	2	1
7	सहायक लेखाधिकारी ग्रेड–।	1	0	0	1	0
8	अतिरिक्त निजी सचिव	1	0	0	1	0
9	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	2	0	0	2	0
10	कनिष्ठ लेखाकार	1	0	0	1	0
11	निजी सहायक–।।	1	0	0	1	0
12	सहायक प्रोग्रामर	0	1	0	1	0
13	सूचना सहायक	0	3	0	3	0
14	वरिष्ठ सहायक	2	0	0	2	0
15	वरिष्ठ प्रारूपकार	2	0	0	2	0
16	कनिष्ठ सहायक	2	0	0	2	1
17	कनिष्ठ प्रारूपकार	10	0	0	10	5
18	सर्वेयर	1	0	0	1	1
19	रेकार्ड कीपर	1	0	0	1	0
20	फैरोमेन	2	0	0	2	2
21	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	4	0	0	4	0
योग		**33**	**09**	**2**	**44**	**14**

राज्य सुदूर संवेदन अनुप्रयोग उपकेन्द्र, जयपुर

क्र. सं.	पद का नाम	बजट मद				
		आयोजना भिन्न	आयोजना		योग	रिक्त पद
			आयोजना	केन्द्र सहायता		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**
1	तकनीकी निदेशक	0	1	0	1	1
2	संयुक्त निदेशक	0	1	0	1	1
3	उपनिदेषक	0	4	0	4	4
4	सहायक निदेशक	0	4	0	4	4
5	कृषि अनुसधान अधिकारी	0	1	0	1	1
6	प्रोग्रामर	0	1	0	1	1
7	कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	0	6	0	6	6
8	सहायक प्रोग्रामर	0	4	0	4	4
9	सूचना सहायक	0	4	0	4	4
10	कनिष्ठ सहायक	0	1	0	1	1
11	डाईवर	0	1	0	1	1
योग		**0**	**28**	**0**	**28**	**28**

क्षेत्रीय कार्यालयवार स्वीकृत पदों का विवरण

क्र. सं.	पद का नाम	बजट मद				
		आयोजना भिन्न	आयोजना		योग	रिक्त पद
			आयोजना	केन्द्र सहायता		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**
क्षेत्रीय कार्यालय, कोटा						
1	उपनिदेशक	0	1	0	1	1
2	सहायक निदेशक	0	1	0	1	1
3	सहायक क्यूरेटर	0	1	0	1	1
4	कनिष्ठ लेखाकार	1	0	0	1	0

5	टेक्नीशियन	1	0	0	1	0
6	कनिष्ठ सहायक	1	0	0	1	1
7	सूचना सहायक	0	2	0	2	0
8	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1	0	0	1	1
योग		**4**	**5**	**0**	**9**	**5**
क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर						
1	परियोजना अधिकारी	0	0	1	1	0
2	सहायक निदेशक	0	2	0	2	2
3	कनिष्ठ लेखाकार	1	0	0	1	0
4	कनिष्ठ सहायक	1	0	0	1	1
5	सूचना सहायक	0	1	0	1	0
6	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1	0	0	1	1
योग		**3**	**3**	**1**	**7**	**4**
क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर						
1	परियोजना अधिकारी	0	0	1	1	1
2	सहायक निदेशक	0	2	0	2	2
3	कनिष्ठ लेखाकार	1	0	0	1	0
4	वरिष्ठ सहायक	1	0	0	1	0
5	सहायक प्रोग्रामर	0	1	0	1	0
6	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	2	0	0	2	1
योग		**4**	**3**	**1**	**8**	**4**
क्षेत्रीय कार्यालय, जोधपुर						
1	परियोजना अधिकारी	0	0	1	1	1
2	सहायक निदेशक	0	1	0	1	1
3	कनिष्ठ लेखाकार	1	0	0	1	0
4	वरिष्ठ सहायक	1	0	0	1	0
5	सहायक प्रोग्रामर	0	1	0	1	0
6	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1	0	0	1	0
योग		**3**	**2**	**1**	**6**	**2**

क्षेत्रीय कार्यालय, अजमेर, मुख्यालय, जयपुर						
1	उप निदेशक	0	1	0	1	0
2	सहायक निदेशक	0	1	0	1	1
3	सहायक लेखाधिकारी ग्रेड–।	1	0	0	1	0
4	सहायक लेखाकार ग्रेड–।।	1	0	0	1	0
5	कनिष्ठ लेखाकार	1	0	0	1	0
6	सूचना सहायक	0	2	0	2	2
योग		**3**	**4**	**0**	**7**	**3**
क्षेत्रीय कार्यालय, भरतपुर						
1	उपनिदेशक	0	1	0	1	1
2	सहायक निदेशक	0	1	0	1	1
3	कनिष्ठ लेखाकार	0	1	0	1	1
4	सहायक क्यूरेटर	0	1	0	1	1
5	सूचना सहायक	0	1	0	1	1
6	कनिष्ठ सहायक	1	0	**0**	1	1
7	वाहन चालक	1	0	0	1	1
8	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1	0	0	1	1
योग		**3**	**5**	**0**	**8**	**8**
क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र व विज्ञान उद्यान, जयपुर						
1	सहायक निदेशक	0	1	0	1	1
2	क्यूरेटर	0	1	0	1	1
3	सहायक क्यूरेटर	0	1	0	1	1
4	कनिष्ठ लेखाकार	0	1	0	1	0
5	एज्यूकेशन एसिस्टेंट	0	1	0	1	1
6	वरिष्ठ सहायक	1	0	**0**	1	0
7	तकनीशियन	0	2	0	2	2
8	सहायक प्रोग्रामर	0	1	0	1	0
योग		**1**	**8**	**0**	**9**	**6**

उप क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र, जोधपुर						
1	क्यूरेटर	0	1	0	1	1
2	तकनीशियन	0	4	0	4	4
3	शिक्षा सहायक	0	1	0	1	1
4	कनिष्ठ सहायक	0	2	0	2	0
योग		**0**	**8**	**0**	**8**	**6**
विज्ञान उद्यान, नवलगढ़						
1	सहायक क्यूरेटर	0	1	0	1	1
2	तकनीशियन	0	1	0	1	1
3	कनिष्ठ सहायक	0	1	0	1	1
योग		**0**	**3**	**0**	**3**	**3**
विज्ञान उद्यान, झालावाड़						
1	सहायक क्यूरेटर	0	1	0	1	0
योग		0	1	0	1	0
कुल योग		**84**	**96**	**22**	**202**	**106**

विभाग की वार्षिक योजना वर्ष 2024–25 में विभिन्न मदों में प्रावधित एवं व्यय (31.12.2024 तक) राशि निम्न है:–

क्र. सं.	योजना का नाम	वित्तीय वर्ष 2024–25					
		वित्तीय प्रगति (राशि रू. लाखों में)			भौतिक प्रगति (संख्या में)		
		कुल आवंटन	व्यय दिसम्बर, 2024 तक	संम्भावित व्यय मार्च, 2024 तक	कुल लक्ष्य	दिसम्बर, 2024	मार्च, 2024 संम्भावित उपलब्धि
A	**स्कीम्स**						
1	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	425.07	369.13	65.94	0	0	0
2	स्टेट रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन सेन्टर	11.00	1.03	9.97	10	0	10
3	विज्ञान एवं समाज	40.52	2.25	38.27	10	2	8
4	विज्ञान संचार एवं लोकप्रियकरण	307.92	183.08	124.84	20	13	7
5	जैव प्रौद्योगिकी	22.00	7.20	14.8	11	1	10
6	उद्यमिता विकास	36.02	25.54	10.48	50	38	0
7	पेटेंट सूचना केन्द्र	27.50	1.48	26.02	12	1	11
8	सूचना पद्धति प्रबंधन (MIS)	4.02	0.61	3.41	0	0	0
9	अनुसंधान एवं विकास	57.50	37.69	19.81	31	9	22
10	निर्माण कार्य	1716.40	246.20	1470.2	0	0	0
	योग	2647.95	874.21	1773.73			
B	**प्रतिबद्ध**						
	प्रतिबद्ध	854.38	653.32	201.06	0	0	0

वित्तीय वर्ष 2024–25 की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- विज्ञान एवं समाज योजना अन्तर्गत राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर राज्य स्तरीय विज्ञान संस्कार शिविर का आयोजन दिनांक 09–11 मई, 2024 को किया गया। इस कार्यक्रम में राज्य के कुल 1500 छात्र–छात्राओं द्वारा भाग लिया गया।
- राज्य स्तर पर राज्य विज्ञान सगोंष्ठी का आयोजन राजस्थान विधानसभा जयपुर में किया गया इसमें प्रदेश से चयनित एक विधार्थी ने मुम्बई में दिनांक 26.11.2024 को आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी में राज्य का प्रतिनिधित्व किया और सातवां स्थान प्राप्त किया। जिसे पुरस्कार राशि रू. 2000 प्रतिमाह एक वर्ष के लिए दिए गए।
- KARYA Programme 2024 के अन्तर्गत देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में फैलोशिप प्रदान करने के लिए 38 विद्यार्थियों को अवसर प्रदान किया गया।
- अनुसंधान एवं विकास योजनान्तर्गत 6 विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों को 11 परियोजनाओं हेतु राशि रु 37.11 लाख का अनुदान दिया गया है साथ ही वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए 07 नई परियोजनायें स्वीकृत की गई हैं।
- सरसेक, जोधपुर द्वारा परियोजना के अंतर्गत 316 तहसीलों के लगभग 40000 ग्रामों के ग्रामवार खसरा मैप के प्रिंट कृषि विभाग जयपुर को उपलब्ध कराये गए हैं जिनका उपयोग खसरावार मिट्टी के नमूने लेने में किया जा रहा है।
- उच्च शिक्षा के क्षेत्र में IPR-TT Cell की स्थापना हेतु अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् से MOU कर विभाग ने संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 22.10.2024 को जयपुर में किया जिसमें विभिन्न शिक्षण संस्थानों के लगभग 250 शिक्षकों/प्रतिभागियों ने भाग लिया जिन्हें Patent Cell व Transfer of Technology हेतु केन्द्र स्थापित करने का प्रशिक्षण दिया गया।
- राज्य के हर क्षेत्र से नवाचारों की पहचान, उनका प्रचार एवं चयनित नवाचारों के माध्यम से सामाजिक समस्याओं को हल करने के लिए राज्य इनोवेशन काउंसिल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन, भारत सरकार के बीच 20 जून, 2024 को समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया गया।
- राजस्थान विधानसभा में स्थित म्यूजियम का संचालन दिनांक 01.09.2024 से विभाग द्वारा किया जा रहा है।
- राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग एवं DoIT&C द्वारा स्टार्टअप प्री–समिट का आयोजन दिनांक 12.11.2024 को किया गया जिसमें तकनीक एवं नवाचार के क्षेत्र में निवेश हेतु दो एमओयू यथा IIT जोधपुर एवं Paripatram Solution Pvt. Ltd. के साथ किए गए।
- विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 में राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, कोटा एवं जानकी देवी बजाज महाविद्यालय कोटा में पेटेंट अवेयरनेस कैंप आयोजित करवाया गया।
- राज्य स्तर पर विज्ञान नाट्य उत्सव प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 14.11.2024 को जयपुर में किया गया जिसमें संभाग स्तर पर चयनित 8 टीमों ने भाग लिया। मुम्बई में जोनल लेवल पर दिनांक 30.11.2024 को प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर चयनित टीम ने राज्य का प्रतिनिधित्व किया।
- वित्तीय वर्ष 2024–25 में एस्ट्रो नाईट ट्यूरिज्म गतिविधि अंतर्गत 9 विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किये गये यथा जन्तर–मन्तर, अलबर्ट हॉल, जवाहर कला केंद्र आदि।
- जयपुर में State Remote Sensing Application Centre (SRSAC) का उप केन्द्र खोलने की कार्यवाही की जा रही है।

- संविधान दिवस 26 नम्बर 2024 के अवसर पर विधानसभा में संविधान गैलरी का उद्घाटन माननीय विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा किया।
- अजमेर में विज्ञान केन्द्र की चार दीवारी एवं भवन निर्माण और कोटा में विज्ञान केन्द्र में भवन निर्माण का कार्य प्रगतिरत है।
- भरतपुर विज्ञान केन्द्र हेतु संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से अनुमोदन पश्चात कार्य शुरू किया जाना प्रस्तावित है।
- अलवर विज्ञान केन्द्र हेतु विज्ञान नगर, अलवर में 5 एकड़ भूमि दिनांक 29.11.2024 को आवंटित की गई।
- वित्तीय वर्ष 2024–25 हेतु अनुसंधान एवं विकास और जैव प्रौद्योगिकी योजना अन्तर्गत प्राप्त क्रमशः 30 एवं 15 शोध प्रस्तावों का विषय विशेषज्ञ समिति (EAC) द्वारा दिनांक 17 से 19 दिसम्बर, 2024 को मूल्यांकन करवाया गया। इस समिति की अनुशंसा के आधार पर स्वीकृत शोध प्रस्तावों हेतु अनुदान प्रदान किया जायेगा।
- राज्य स्तरीय मॉडल एड टीचिंग प्रतियोगिता 2024–25 का आयोजन जोधपुर में 25–26 दिसंबर, 2024 को किया गया जिसमें चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

गतिविधियां एवं कार्यक्रम :–

विभिन्न कार्यक्रम/गतिविधियों का क्रियान्वयन मुख्यालय जयपुर एवं बीकानेर, कोटा, जोधपुर और उदयपुर में स्थापित क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से किया जा रहा है। सुदूर संवेदन अनुप्रयोग आधारित गतिविधियां ''स्टेट रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेन्टर'' जोधपुर के माध्यम से सम्पादित की जा रही हैं। राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद्, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के समन्वय से स्थापित क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र, जयपुर एवं उपक्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र, जोधपुर द्वारा विज्ञान संचार एवं लोकप्रियकरण की विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

राज्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने एवं विभाग के निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु विभगीय कार्यकलाप निम्नांकित योजनाओं के माध्यम से क्रियान्वित किये जा रहे हैं:–

1. राज्य सुदूर संवेदन अनुप्रयोग केन्द्र (स्टेट रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेन्टर)
2. विज्ञान संचार एवं लोकप्रियकरण प्रभाग
3. विज्ञान एवं समाज प्रभाग
4. उद्यमवृति विकास कार्यक्रम प्रभाग
5. अनुसंधान एवं विकास प्रभाग
6. जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग
7. पेटेन्ट सूचना केन्द्र प्रभाग

1. A. राज्य सुदूर संवेदन अनुप्रयोग केन्द्र (State Remote Sensing Application Centre), जोधपुर

स्टेट रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन सेन्टर (सरसेक), जोधपुर राज्य के विभिन्न विभागों की विकास योजनाएं बनाने हेतु प्राकृतिक संसाधनो व अन्य आधारभूत ढ़ांचे सम्बंधी सूचनाएं उपलब्ध कराते हुए 43 वर्षों से महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर रहा है। लाभान्वित होने वाले महत्वपूर्ण विभाग हैं:– कृषि विभाग, जलग्रहण विकास विभाग, भू–जल विभाग, वन विभाग, पर्यावरण विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग, नगर नियोजन विभाग, पंचायती राज विभाग, पशुपालन विभाग, नगर विकास विभाग, जल संसाधन विभाग, निर्वाचन विभाग, ऊर्जा विभाग,

सार्वजनिक निर्माण विभाग, आबकारी विभाग, पुलिस विभाग, यातायात विभाग, RIICO, औद्योगिक विभाग, आयुर्वेद विभाग, रेलवे विभाग, भू–प्रबन्ध विभाग, राजस्व मण्डल विभाग इत्यादि। वर्तमान में वन विभाग, जलग्रहण विकास विभाग एवं मृदा संरक्षण विभाग, जल संसाधन विभाग, भू–कृषि विभाग, निर्वाचन विभाग, शिक्षा विभाग, पर्यावरण विभाग एवं भू प्रबंध विभाग के सहयोग से विभिन्न योजनाओं पर कार्य चल रहा है। केन्द्र ने छायाचित्रों की मदद से समस्त जिलो के वन खण्डों के नक्शे पूर्ण कर वनविभाग को सौंप दिए है।

वन विभाग के द्वारा राज्य के विभिन्न वन क्षेत्रों एवं वन अभ्यारण्य क्षेत्रों के डिजिटलीकरण एवं साथ ही वन सीमाओं के आंकडो को अद्यतन एवं उन्नयन करने का कार्य किया जा रहा है।

राजस्थान के नवसृजित जिलों की तहसीलों की सीमा का अद्यतन (updation) कर संबंधित नक्शे तैयार किए गए हैं। साथ ही राज्य के विभिन्न विभागों जैसे निर्वाचन विभाग, पुलिस विभाग, कार्मिक विभाग, नगर निगम, नगर विकास प्राधिकरण, फसल बीमा आदि से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं के नक्शे उनकी आवश्यकतानुसार उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

Soil Health Card Scheme परियोजना के अंतर्गत 333 तहसीलों के लगभग 40000 ग्रामों के Village-wise खसरा मैप के नक्शों के प्रिन्ट कृषि विभाग, जयपुर को उपलब्ध करा दिय गये है। जिनका उपयोग मिट्टी के नमूने खसरावार लेने में किया जा रहा है।

भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण के Mahalanobis National Crop Forecast Centre (MNCFC) के सहयोग से प्रत्येक वर्ष में राज्य के केन्द्र द्वारा रबी एवं खरीफ के मौसम में उपग्रह छायाचित्रों के माध्यम से प्रदेश स्तर पर 30 जिलो में सरसो एवं 4 जिलों में कपास की फसल का क्षेत्रफल ज्ञात किया जाता है। जिसका समस्त कार्य (MNCFC) दिल्ली द्वारा कि या जाता है। जिसका Quality check सरसेक के अधिकारियों द्वारा किया जाता है। जिसका उप योग राजस्थान के कृषि विभाग, राजस्व विभाग एवं केन्द्र सरकार द्वारा प्रदेश में कुल क्षेत्रफल एवं कृषि उत्पादन के आंकडों के पूर्वानुमानों में किया जाता हैं।

उपग्रह डेटा और जीआईएस तकनीक का उपयोग कर राजस्थान में आर्द्रभमि (Wetlands) का सूचीबद्ध रूप से मूल्यांकन किया जाता है। राज्य की 100 आर्द्रभमि में से 66 आर्द्रभमि का कार्य पर्यावरण विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर को प्रेषित कर दिया गया है एवं शेष का कार्य प्रगति पर है।

अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार के सहयोग से राज्य में विभिन्न हिस्सों के 149 जल ग्रहण क्षेत्रों में इम्पेक्ट अस्सिमेंट का कार्य किया जा रहा है, जिससे इन जल ग्रहण क्षेत्रों में आये बदलावों के मूल्यांकन का कार्य किया जा सकेगा।

राजस्व मंडल, अजमेर के सहयोग से राज्य के समस्त गांवों के खसरा मानचित्रों का एवं जीयोरेफरेन्सिग का कार्य किया जा रहा है। उक्त परियोजना के तहत राज्य की 392 तहसीलों के गांवों के खसरा मानचित्रों काएवं मोजेकिंग का कार्य पूर्ण कर भू–प्रबंध विभाग को सौंप दिया गया है। साथ ही 100 से ज्यादा तरमीम वाले गांवों के खसरा मानचित्रां का डिजीटलाईजेशन, जियोरेफरेन्सिंग एवं अपडेशन का कार्य किया जा रहा है।

राजस्थान राज्य खान एवं खनिज लिमिटेड के नागौर जिले की कसनाऊ–मातासुख लिग्नाईट माइन्स, बाड़मेर जिले में स्थित गिरल लिग्नाईट माइन्स एवं सोनारी लिग्नाईट माइन्स का ग्रीन कवर अस्सिमेंट कार्य प्रगतिशील है।

National Remote Sensing Centre, (NRSC) ISRO, हैदराबाद ने SIS-DP Update परियोजना के अंतर्गत सम्पूर्ण राज्य के लिए नवीनतम सेटेलाईट डाटा उपयोग कर 1:10000 स्केल पर मानचित्र तैयार करने हेतु कार्य आंवटित किया गया है। उक्त परियोजना के अंतर्गत land use/ land cover, road, rail, मृदा उर्वरता इत्यादि के

नक्शे तैयार किये जायेंगे। राज्य के सभी 33 जिलों का डाटा तैयार कर NRSC को भिजवा दिया गया है। इसका उपयोग राज्य की विभिन्न विकास योजनाओं में किया जायेगा।

सैटकॉम परियोजना :– राज्य में उपग्रह संचार प्रणाली (सेटेलाईट कम्यूनिकेशन) आधारित संचार तंत्र परियोजना की स्थापना वर्ष 2005 में इसरो, भारत सरकार, अहमदाबाद के साथ हुई थी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग इस योजना के लिये नोडल विभाग है।

B. राज्य सुदूर संवेदन अनुप्रयोग उपकेन्द्र, जयपुर– वित्तीय वर्ष 2024–25 की बजट घोषणा के अन्तर्गत राज्य सुदूर संवेदन अनुप्रयोग उपकेन्द्र, जयपुर के इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में स्थापित करने की कार्यवाही की जा रही है।

2. विज्ञान संचार एवं लोकप्रियकरण प्रभाग :–

राज्य में वैज्ञानिक वातावरण का निर्माण, जन–साधारण में विज्ञान के प्रति रूचि विकसित करने एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाते हुए दैनिक जीवन को सरल एवं सुलभ करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा विज्ञान संचार एवं लोकप्रियकरण योजना के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों को सम्पादित किया जाता है। विभाग द्वारा वर्ष 2024–25 में निम्न गतिविधियों/कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है :–

1. **विज्ञान केन्द्र द्वारा सम्पादित गतिविधियॉं**:– विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों में विभिन्न गतिविधियां यथा मॉडल एवं टिचिंग एड प्रतियोगिता, विज्ञान नाटय उत्सव प्रतियोगिता, राष्ट्रीय विज्ञान संगोठी आदि आयोजित की जाती है।
2. **राष्ट्रीय विज्ञान दिवस**:– प्रति वर्ष विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन 28 फरवरी को राज्य स्तर पर एवं संभाग स्तर पर किया जाता है।
3. **नाईट स्काई टूरिज्म**:– विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और कला एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में खगोलीय घटनाओं के प्रति जिज्ञासा, ज्ञानवर्द्धन एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नवाचार के तहत ''नाईट स्काई टूरिज्म'' कार्यक्रम का दिनांक 21 जनवरी, 2021 को शुभारम्भ किया गया जिसे विभिन्न न्यूज चैनल्स एवं सोशल मीडिया द्वारा व्यापक कवरेज मिला। इस कार्यक्रम के तहत क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र, जयपुर में उपलब्ध "Fully Computerized Retractor Telescope CPC800 GP's Celestron Aperture 8" Focal Length:80" Focal Ratio: f/10" टेलीस्कोप द्वारा जयपुर में पर्यटन स्थलों यथा जन्तर–मन्तर, अल्बर्ट हॉल, जवाहर कला केन्द्र इत्यादि पर दर्शकों एवं पर्यटकों को आकाश में दिवस विशेष की खगोलीय घटनाओं को दिखाया गया। इस कार्यक्रम को लगभग 10000 दर्शकों–पर्यटकों द्वारा देखा एवं सराहा गया।
4. **विज्ञान केन्द्र एवं विज्ञान उद्यान**

   विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विज्ञान को लोकप्रिय करने के उद्देश्य से राज्य में विज्ञान केन्द्रों एवं विज्ञान उद्यानों की स्थापना की जा रही है। वर्तमान में विभाग के अधीन निम्न केन्द्र/उद्यान संचालित हैं:–

   1. विज्ञान उद्यान व क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र, जयपुर।
   2. उप क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र, जोधपुर।
   3. विज्ञान उद्यान, झालावाड़।
   4. विज्ञान उद्यान, नवलगढ़ (झुंझुंनू)।

5. निम्न लिखित विज्ञान केन्द्रों का कार्य प्रगतिरत है:–

- उदयपुर
- कोटा
- बीकानेर
- भरतपुर
- अजमेर

विज्ञान उद्यान व क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र, जयपुर :–

जन साधारण में, विशेषकर विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने व विज्ञान के प्रति रूचि बढ़ानें में शास्त्री नगर, जयपुर में स्थापित राज्य के पहले विज्ञान उद्यान ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विज्ञान के लोकप्रियकरण व संचार के उद्देश्य से संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य सरकार के 50:50 अनुपात में पूँजीगत सहयोग से विज्ञान उद्यान निर्मित किया गया है। परियोजना की क्रियान्वयन एजेन्सी नेशनल कॉसिल ऑफ साईन्स म्यूजियम, कोलकाता है। परियोजना हेतु कुल 10 एकड़ भूमि उपयोग में ली गई है जिसमें क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र, ट्रेफिक पार्क एवं विज्ञान उद्यान समेकित रूप में निर्मित हैं।

क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र भवन में लगभग 4000 वर्गमीटर फ्लोर क्षेत्रफल के भवन में निम्न मुख्य आर्कषण है :–

1. इनोवेशन हब
2. फ्रंटियर्स ऑफ एस्ट्रोनोमी आंतरिक दीर्घा
3. बायोमेडिकल रिवोल्यूशन आंतरिक दीर्घा
4. फन साइन्स आंतरिक दीर्घा
5. 3–डी फिल्म थियेटर
6. ऑडिटोरियम
7. मिनी तारामण्डल
8. कम्प्यूटर कक्ष
9. लाइब्रेरी
10. कांफ्रेंस कक्ष
11. प्रदर्शनी कक्ष

उपरोक्त के अतिरिक्त आउटडोर मॉडल्स में डायनासोर, पी.एस.एल.वी. का मॉडल एवं पवन चक्की प्रमुख हैं। यहाँ दैनिक क्रिया–कलापों में निहित वैज्ञानिक सिद्धान्तों को मॉडल्स के माध्यम से खेल–खेल में सीखने हेतु ऊर्जा, क्रिया–प्रतिक्रिया, दृष्टि भ्रम, खनिज, गणित, यांत्रिकी, ध्वनि आदि के सिद्धान्तों पर आधारित मॉडल्स स्थापित हैं। अंतरिक्ष के रहस्यों को ''तारामण्डल'' एवं टेलीस्कोप के द्वारा दर्शकों को प्रदर्शित किया जा रहा है। इस उद्यान में वानस्पतिक महत्व बताने हेतु औषधीय पौधों का खण्ड भी विकसित किया गया है। उद्यान में आई.टी. गैलरी का निर्माण सूचना प्रौद्योगिकी व संचार विभाग के सहयोग से पूर्ण किया जा चुका है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न कम्प्यूटर अनुप्रयोग व संचार तकनीक का प्रदर्शन किया जा रहा है।

विगत वर्षों में विज्ञान पर आधारित नुक्कड़ नाटक एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है। सरकारी विद्यालयों की छात्राओं हेतु कम्प्यूटर कौशल आधारित कार्यशालाएँ, इलैक्ट्रानिक कार्यशाला, मॉडल निर्माण कार्यशाला, पर्यावरण, जल व वायु की जाँच पर कार्यशाला, कम्प्यूटर ऐनीमेशन पर कार्यशाला एवं प्रदर्शनी का

आयोजन किया जाता है। टेक्नोलॉजी दिवस, विज्ञान दिवस, पर्यावरण दिवस आदि पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन कर इनका महत्व जन सामान्य तक पहुंचाया जाता है।

यातायात के नियमों की जानकारी जन सामान्य तक सरलता से पहुँचाने हेतु यहाँ ट्रेफिक पार्क स्थापित है। यातायात पुलिस के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा जन साधारण को वर्ष पर्यन्त ट्रेफिक नियमों के प्रति जागरूक किया जाता है। बैटरी चलित वाहन से दर्शकों को विज्ञान उद्यान परिसर भ्रमण कराया जाता है। यह वाहन मितव्ययी, ध्वनि रहित, पर्यावरण मित्र तथा विद्युत संचालित है।

विद्यालयों को क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र की गतिविधियों/कार्यक्रमों से जोडा गया है। वर्तमान में क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र के आधुनिकीकरण का कार्य किया जा रहा है, जिसमें मुख्य रूप से डायनाटोरियम, न्यूक्लियर पॉवर गैलरी का कार्य निर्माणाधीन है। विभाग द्वारा जयपुर एवं जोधपुर में इनोवेशन हब स्थापित किए गए हैं।

इनोवेशन हबः जयपुर के क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र एवं विज्ञान उद्यान में इनोवेशन हब युवाओं को रचनात्मक और अभिनव गतिविधियों में संलग्न करने के लिए गतिशील मंच डिज़ाइन किया गया है। जिसे 23 सितम्बर 2024 से प्रारम्भ किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य व्यावहारिक शिक्षण अनुभवों के माध्यम से वैज्ञानिक सोच, आलोचनात्मक विश्लेषण और समस्या–समाधान कौशल को बढ़ावा देना है। यह हब आधुनिक सुविधाओं से लेस प्रयोगशाला से सुसज्जित है जिसमें कई प्रकार के टूल्स और वैज्ञानिक उपकरण हैं, जो सदस्यों को खोज एवं प्रयोग करने में सक्षम बनाते हैं।

मुख्य उद्देश्यः

- युवाओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रचनात्मक रूचि और गतिविधियों में शामिल करना।
- उनकी आलोचनात्मक सोच और व्यावहारिक समस्या समाधान कौशल को बढ़ावा देना।
- उनके विचार को फलित होने में सहायता करना।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में स्थानीय नवाचारों को मान्यता देना, प्रोत्साहित करना और सुविधा प्रदान करना।

इनोवेशन हब में उपलब्ध सुविधाएंः

- **हॉल ऑफ फ़ेम** :– मल्टीमीडिया कियोस्क के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख आविष्कारों और उनके आविष्कारकों की जानकारियां उपलब्ध।
- **नवाचार/डिजिटल रिसोर्स सेन्टर** :– ब्रॉडबैंड इंटरनेट से युक्त कम्प्यूटर द्वारा नवाचार केन्द्रित संसाधनों की खोज, पत्रिकाओं, पुस्तकों और बुनियादी नवाचार पोर्टलों आदि तक पहुंच ।
- **नवप्रवर्तन प्रयोगशाला** :– बहु–विषयक ढांचे में नवीन गतिविधियों, प्रयोगों और परियोजनाओं को क्रियान्वित करने की सुविधा।
- **टेक लैब** :– मल्टीमीडिया कियोस्क के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख आविष्कारों और उनके आविष्कारकों की जानकारियां उपलब्ध।

इनोवेशन हब में गतिविधियाँ :

- **ब्रेक और रीमेक** :– ''तोड़–फोड़–जोड़ गतिविधि'' के माध्यम से छात्र अपने हाथों से चीजें करना सीखते हैं और उत्पादों की इंजीनियरिंग भी सीखते हैं।
- **स्क्रैप से निर्माण** :– ''कबाड से जुगाड़'' गतिविधि में छात्र कचरे, स्क्रैप या कम लागत वाली सामग्रियों से वस्तुएं बनाते हैं।
- **आइडिया बॉक्स** :– छात्र अपने खुद के अभिनव विचार उत्पन्न कर सकते हैं और एक आइडिया बैंक बनाने में योगदान दे सकते हैं। प्रयोग करने, मॉडल बनाने और प्रोजेक्ट कार्यों के लिए सबसे अच्छे आइडिया को चुना जाता है।

- **अपने स्वयं के विज्ञान मॉडल/किट बनाना** :– छात्र अपने विचारों को अपने स्वयं के नवीन विज्ञान मॉडल या किट बनाने में परिवर्तित कर सकते हैं।
- **वास्तविक जीवन की समस्याओं की पहचान एवं उनका समाधान खोजना** :– छात्रों को व्यावहारिक महत्व की वास्तविक जीवन समस्या की पहचान करनी होगी या उन्हें संभावित तकनीकी समाधान के लिए कार्य करने हेतु एक समस्या दी जा सकती है।
- **खोजी परियोजनाएं** :– छात्रों को उनकी स्वयं की लघु शोध परियोजनाएं दी जाएंगी या तैयार की जाएंगी तथा उन्हें विशेषज्ञों/मार्गदर्शकों के मार्गदर्शन में कार्य करवाया जायेगा।

इनोवेशन हब में कार्यः समाज को लाभ पहुँचाने वाले नए विचारों को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसका सदस्य बनने के बाद विद्यार्थी अपने प्रोजेक्ट प्रस्ताव या विचार प्रस्तुत करेंगे। विशेषज्ञ समिति द्वारा विधिवत स्वीति मिलने के बाद वे प्रोजेक्ट पर काम करना प्रारंभ करेंगे। विद्यार्थियों को प्रत्येक प्रोजेक्ट सत्र के पूरा होने पर अपने दैनिक कार्यों का दस्तावेजीकरण करना होगा। अच्छे कार्यों/परियोजनाओं को केंद्र की वेबसाइट पर पोस्ट किया जाएगा और उन्हें परिषद् या किसी अन्य निकाय द्वारा आयोजित विज्ञान/नवाचार मेलों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

सदस्यता के प्रकारः

1. संस्थागत
2. व्यक्ति

सदस्यता के लाभः

- एक वर्ष के लिए इनोवेशन हब के परिसर में प्रवेश।
- क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र जयपुर में आयोजित होने वाले विशेष शैक्षणिक कार्यक्रमों और विज्ञान व्याख्यानों के लिए प्रवेश।

विद्यालयों के लिए ग्रुप विजिटः

विद्यालय अपने छात्र समूहों (अधिकतम 30) को पूर्व बुकिंग के आधार पर शिक्षक के साथ इनोवेशन हब के भ्रमण के लिए भेज सकते हैं। बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए, इनोवेशन हब क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र जयपुर से संपर्क किया जा सकता है।

क्षेत्रीय कार्यालय, वि.प्रौ.वि, जोधपुर : क्षेत्रीय कार्यालय का मुख्य उद्वेश्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहित व प्रेरित कर विज्ञान लोकप्रियकरण एवं प्रचार प्रसार करना जिससे विद्यार्थियो में सृजनात्मक दृष्टीकोण का विकास हो सके। इसके अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है यथा विज्ञान प्रदर्शनी, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, विज्ञान नाटक उत्सव, विज्ञान चित्रकला प्रतियोगिता, विज्ञान मॉडल एवं टीचिंग एड प्रतियोगिता, विज्ञान प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता, विद्यार्थी भ्रमण आदि।

उप क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र जोधपुर :–

राज्य एवं केंद्र सरकार के 50:50 प्रतिशत वित्तीय सहयोग से राशि रू. 2.60 करोड़ की पूंजीगत लागत से लगभग 4 एकड़ क्षेत्रफल में जोधपुर में उपक्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र का कार्य क्रियान्वयन एजेंसी नेशनल कॉसिल ऑफ साईन्स म्यूजियम, कोलकाता द्वारा किया गया।

उप क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र के प्रमुख आकर्षण :–

I. हमारी विज्ञान एंव तकनीकी धरोहर :– प्राचीन काल से भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। गणित, खगोल विज्ञान, चिकित्सा शास्त्र, धातु विज्ञान, जहाज निर्माण, नगर योजना, जल ऊर्जा का दोहन, वस्त्र, शिल्प कला आदि हजारों वर्षों पहले भी भारतीय संस्कृति का हिस्सा रहे हैं। गणित के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण खोजों

में से एक, शून्य की खोज भारत की देन है। उप क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र की "विज्ञान और तकनीकी धरोहर दीर्घा" दर्शाती है कि समय के साथ कैसे कला और साहित्य के साथ साथ भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी से समृद्ध संस्कृति का विकास हुआ। प्राचीन संस्कृत ग्रन्थों में हमें 20वीं सदी की भारतीय संस्कृति देखने को मिलती है।

II. जल दीर्घा :– 17 अगस्त, 2013 में जल दीर्घा "Water-The Elixir of Life" थीम पर बनाई गई। इसमें जल से सम्बन्धित सभी पहलुओं को दिखाया गया है जिसमें शुष्क क्षेत्रों पर विशेष जोर है, जहां प्रभावी जल प्रबन्धन अत्याधिक महत्वपूर्ण है। दीर्घा में 17 मॉडल प्रर्दशित किये गये हैं, जिनमें कियोस्क अथवा बूथ पर प्रशोन्तरी आदि के माध्यम से जल से सम्बन्धित सूचनाओं का प्रभावी प्रर्दशन किया हुआ है। इससे दर्शकों को जल से सम्बन्धित विभिन्न वैज्ञानिक और सामाजिक पहलुओं को जानने का अवसर मिलता है।

III. मनोरंजन विज्ञान :– मनोरंजन विज्ञान प्रदर्शनी में हस्तचालित प्रादर्श हैं, जो विभिन्न विषयों जैसे द्रव्यता, ध्वनि, प्रकाशिकी, लुढ़कती गेंदें, भ्रम आदि वैज्ञानिक सिद्धांतों की व्याख्या करते हैं। ये प्रादर्श दर्शकों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करते हैं।

IV. विज्ञान उद्यान :– इस केन्द्र में बाह्य प्रादर्श में विभिन्न वैज्ञानिक सिद्धांतों जैसे गुरूत्वाकर्षण अवमानना, कम्पन्न, गणितीय एवं ध्वनि आदि के मॉडल स्थापित हैं। साथ ही डायनासोर के तीन मॉडलों का प्रदर्शन भी किया गया है। खुले आकाश में लगे यह प्रादर्श दर्शकों में विशेषतः बच्चों में, वैज्ञानिक उपकरणों के साथ खेलते हुए सीखने का अवसर प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त कतिपय प्रमुख भारतीय वैज्ञानिकों के जीवन दर्शन और उनके विशेष योगदान का प्रदर्शन किया गया है ताकि बच्चे/दर्शक उनके योगदान से अवगत हो एवं प्रेरणा ले सकें।

V. शैक्षिक गतिविधियां :– आगन्तुकों और छात्रों के लिए पाठ्यक्रम से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर विज्ञान प्रदर्शनी एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। साथ ही पाठ्यक्रम से सम्बन्धित विभिन्न वैज्ञानिक सिद्धांतों का निरूपण/प्रदर्शन किया जाता है जो दैनिक जीवन को व्यावहारिक और प्रभावी ढंग से प्रभावित करते हैं।

VI. इनोवेशन हब :– राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद् (NCSM) के सहयोग से इनोवेशन हब की स्थापना की गई है। इनोवेशन हब के स्थापित होने पर युवा विद्यार्थी नवाचारों से संबंधित प्रयोगों को स्वयं करके सीख सकेंगे।

VII. आई–टी गैलरी :– ईन्डोर मिनी आई–टी गैलरी की स्थापना उ.क्षे.वि.के., जोधपुर में की जा चुकी है। जिसके माध्यम से बाल वैज्ञानिकों एवं आगुन्तकों को नवीन प्रौद्योगिकी से सम्बन्धित विभिन्न प्रादर्शों का अवलोकन करने का अवसर प्राप्त हो सकेगा जैसे humanoid robot, holographic projection, AI talking bot आदि।

विज्ञान उद्यान, झालावाड़ :–

झालारापाटन में लगभग 5 एकड़ भूमि पर सुविकसित विज्ञान उद्यान स्थापित है। आउटडोर में फन साईन्स, नक्षत्र–भवन एवं डायनासोर से संबंधित मॉडल हैं जिनका मुख्य उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और आम लोगों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण में सुधार करना है। इसमें 75 आउटडोर मॉडल हैं जिनके द्वारा कोई भी भौतिकी, गणित और विभिन्न वैज्ञानिक सिद्धांतों जैसे कम्पन्न, गुरूत्वाकर्षण अवमानना, ध्वनि, पेरिस्कोप दर्पणों के माध्यम से प्रकाश की परावर्तन, एक डिश एंटेना से दूसरे डिश एंटेना में ध्वनि तरंगों का संचरण हवा के माध्यम से तरंग संचार की समझ आदि को सरल रूप में सिखाने हेतु लगाये गये हैं। इसके अलावा झालावाड़ साइंस पार्क में एक पोर्टेबल मिनी तारामंडल है जो सितारों और उनकी स्थिति का अनुभव प्रदान करता है। साइंस पार्क में डिनोटोरियम और 15 किलोवाट का सोलर पावर प्लांट है। विज्ञान उद्यान, झालावाड़ में NCSM के सहयोग फन साइन्स के इण्डोर व आउटडोर मॉडल्स स्थापित करवाये गये है।

विज्ञान उद्यान, नवलगढ़ (झुन्झुनू) :–

नवलगढ़ में लगभग 1.11 हैक्टेयर भूमि पर विज्ञान उद्यान का निर्माण कार्य पूर्ण कर जनता के ज्ञानार्जन हेतु खोल दिया गया है। यहाँ इन्डोर गैलेरी में फन साईन्स व न्यूक्लियर गैलेरी स्थापित है। साथ ही आउटडोर में

वैज्ञानिक सिद्धान्तों को सरल रूप में सिखाने हेतु मॉडल्स भी लगाये गये हैं। सौर ऊर्जा व पवन ऊर्जा के उपयोग भी यहां दिखाये गये है। विभाग द्वारा संचालित इस बहुपयोगी शिक्षापरक संस्थान में दिसम्बर, 2024 तक लगभग 1,89,634 दर्शकों द्वारा भ्रमण किया जा चुका है। इसके अलावा विभाग की गतिविधियों का भी आयोजन विज्ञान उद्यान परिसर में किया जाता है। स्थानीय DMFT के माध्यम से PWD द्वारा विज्ञान उद्यान नवलगढ़ के वर्तमान में आधुनिक तारामण्डल एवं डिजिटल 3डी सिनेमा हॉल का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

क्षेत्रीय कार्यालय कोटा :–

विभाग द्वारा कोटा, उदयपुर एवं बीकानेर में विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों के अधीन विज्ञान केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं जहां विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। राज्य सरकार की योजनांतर्गत विज्ञान केन्द्र कोटा में संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कोटा विज्ञान केन्द्र पर मॉडल एवं टिचिंग एंड प्रतियोगिता का क्षेत्रीय एवं राज्य स्तरीय आयोजन किया गया, जिसमें चयनित विद्यार्थियों एवं अध्यापकों के मॉडल्स को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रदर्शित किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर :–

विज्ञान का प्रचार प्रसार करने हेतु विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण पैदा करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, इन कार्यक्रमों द्वारा भाग लेने वाले बच्चो को राज्य स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करना का अवसर प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त विभिन्न गतिविधियां जैसे उद्यमिता जागृति शिविर, बौद्धिक संपदा के अधिकार के अर्न्तगत पेटेंट अवेयरनेंस कैम्प आयोजित करवाया जाता है जिसमें प्रतिभागियों को पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, जी.आई, आई.सी. लेआउट डिजाइन, इंडस्ट्रीयल डिजाइन, न्यूप्लांट वेरायटी एवं ट्रेडसीक्रेट के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाने के लिये आई.पी.आर शिविर भी आयोजित किये जाते हैं।

क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर :–

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर की सन् 1991 में स्थापना की गई थी। जिसके अन्तर्गत दक्षिणी राजस्थान के सात जिले शामिल हैं – उदयपुर, राजसमंद, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा और प्रतापगढ़। राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (NCSM), कोलकाता भारत सरकार (कार्यकारी एजेंसी), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य सरकार के 50:50 प्रतिशत वित्तीय सहयोग से राशि रू. 5.00 करोड़ की कुल पूंजीगत लागत से उदयपुर में उप–क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र की स्थापना का कार्य किया जा रहा है। जिसमें केन्द्र के भवन का निर्माण कर विज्ञान गैलरी में मॉडल्स की स्थापना की गई है। वर्तमान में गेट कॉम्प्लेक्स आदि का निर्माण कार्य प्रगतिरत है।

यहां इंडोर गैलरी में ऑप्टिकल इल्यूजन मॉडल, मिरर मैजिक मॉडल और आईटी मॉडल हैं। आउटडोर गैलरी में बुनियादी विज्ञान के विभिन्न मॉडल हैं। इसके अतिरिक्त ''गांधी और विज्ञान'' पर आधारित पोस्टर्स स्थापित कर उनके द्वारा विज्ञान के क्षेत्र में किये गए विभिन्न प्रयोगों को प्रदर्शित किया गया है।

विज्ञान संचार और लोकप्रियकरण हेतु विभिन्न गतिविधियों यथा विज्ञान नाटक प्रतियोगिता, विज्ञान मॉडल एवं टीचिंग एड प्रतियोगिता, सांइस सेमिनार मॉडल, शिक्षण सहायता प्रतियोगिता, विज्ञान प्रदर्शनी, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, विज्ञान क्लब, उद्यमिता जागरूकता शिविर, बौद्धिक संपदा अधिकार पर जागरूकता हेतु कार्यशाला और भौगोलिक संकेतक कार्यक्रम का आयोजन कर विद्यालयी विद्यार्थियों को मंच प्रदान किया गया है। विद्यालयी विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रूचि उत्पन्न करने व अनुसंधानात्मक प्रवृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से क्षेत्रीय कार्यालय उदयपुर के अंतर्गत ''कृत्रिम बुद्धिमता : संभाव्यता और सरोकार'' विषय पर साइंस सेमिनार का आयोजन किया गया है। ''मानव जाति के कल्याण के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी'' विषय पर उदयपुर एवं बांसवाड़ा में खण्ड स्तरीय विज्ञान नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।

राजस्थान विधानसभा डिजिटल म्यूजियम, जयपुर :–

राजस्थान विधान सभा में स्थापित राजनैतिक आख्यान संग्रहालय विशिष्ट प्रकृति का है, जो लोकतंत्र की स्वर्णिम गाथाओं से नवीन पीढ़ी तक का पथ प्रदर्शित कर रहा है। यह संग्रहालय छात्रों, शोधार्थियों एवं राजनीति विज्ञान में रूचि रखने वाले व्यक्तियों के साथ–साथ आम नागरिक को भी लोकतंत्र से जोड़ता है। दिनांक 18 मई, 2024 को ''विधानसभा जन–दर्शन'' कार्यक्रम की शुरुआत की गई जिसमें विधानसभा के द्वार सभी के लिए खोल दिए गये। अब इच्छुक व्यक्ति राजस्थान विधानसभा के द्वार संख्या 7 से आधार कार्ड की छायाप्रति उपलब्ध करवाकर इस संग्रहालय का निःशुल्क अवलोकन कर सकता है।

राजनैतिक आख्यान संग्रहालय राजस्थान राज्य के गौरवमयी इतिहास, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में राजस्थान की भूमिका और राजस्थान निर्माण के पद सोपानों को प्रदर्शित करता है। संग्रहालय में रियासतों का विलय, विधान सभा के विकास, मुख्यमंत्रियों की उपलब्धियां एवं विधानसभाध्यक्षों का विवरण अत्याधुनिक तकनीक और चलचित्रों के माध्यम से जीवंत किया गया है। संग्रहालय में निर्वाचन प्रणाली, मंत्री मण्डल एवं बजट की कार्यप्रणाली को भी प्रदर्शित किया गया है। ''विधानसभा जन–दर्शन'' कार्यक्रम के द्वारा संग्रहालय से सभी को जो़ड़ने का महत्वपूर्ण कार्य शुरु किया गया है। कुल 26 हजार वर्गफीट क्षेत्रफल में बने इस राजनैतिक आख्यान संग्रहालय में लोकतांत्रिक प्रणाली एवं राज्य की विकास यात्रा में योगदान देने वाले महानुभावों का आगुन्तक जीवंत अनुभव कर सकेंगे।

चतुर्थपक्षीय अनुबंध के अन्तर्गत राजस्थान विधानसभा द्वारा 8 जुलाई, 2024 को जयपुर स्मार्ट सिटी मिशन के तहत राजस्थान विधानसभा परिसर में जयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटड द्वारा बनाये गये डिजिटल म्यूजियम को संचालन एवं संधारण हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को हस्तान्तरित किया गया है।

3. विज्ञान एवं समाज प्रभाग :–

प्रौद्योगिकी आधारित अनुप्रयोगों के माध्यम से राज्य के उपलब्ध संसाधनों के विवेकपूर्ण दोहन एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में जन सामान्य की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विज्ञान एवं समाज के अंतर्गत निम्नलिखित योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा हैः–

1. उपयुक्त प्रौद्योगिकी पर पायलेट / विशिष्ट परियोजनाएं
2. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संदर्भ केंद्र
3. महिलाओं के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
4. प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन

देश के विभिन्न अनुसंधान संस्थानों एवं प्रयोगशालाओं द्वारा विकसित की जा रही ग्रामोपयोगी प्रौद्योगिकी / तकनीकों के हस्तांतरण की उपादेयता का आकलन कर इन तकनीकों को राज्य के सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में विसरित किया जाता है। राज्य के जन सामान्य एवं विशेष तौर पर ग्रामीण दस्तकारों और कर्मकारों तक विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से नवविकसित प्रौद्योगिकी की सम्यक जानकारी उपलब्ध कराये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं, जिससे लक्षित समूह के सामाजिक एवं आर्थिक स्तर में गुणात्मक परिवर्तन लाया जा सके।

राज्य के पिछडे क्षेत्र यथा राजसमंद जिले के कुंभलगढ की आदिवासी महिलाओं में विभाग द्वारा स्वास्थ्य संबंधी ज्ञान को बढाये जाने तथा माहवारी के दौरान साफ–सफाई रखने नवीनतम जानकारी उपलब्ध करायी जा रही है। साथ ही उदयपुर, राजसमंद एवं प्रतापगढ जिले की आदिवासी महिलाओं के 5 स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया जिन्हें सेनेटरी नेपकीन निर्माण तकनीक का प्रशिक्षण प्रदान किया गया एवं इन महिलाओं द्वारा सेनेटरी नेपकीन का निर्माण कर स्वयं सहायता समूह द्वारा विक्रय किया जा रहा है।

चालू वित्तीय वर्ष 2024–25 में विज्ञान एवं समाज प्रभाग की गतिविधियों हेतु प्रस्ताव प्राप्त करने के लिए विभाग द्वारा राज्य स्तरीय समाचार पत्रों में पायलेट परियोजना, महिलाओं के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सदंर्भ केन्द्र के अंतर्गत प्रस्तावों हेतु विज्ञापन प्रकाशित किया गया था, जिसमें प्राप्त प्रस्तावों का मूल्यांकन दिनांक 26.12.2024 को विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जा चुका है। परियोजनओं को स्वीकृत करने की कार्यवाही प्रगति पर है।

4. उद्यमिता विकास प्रभाग :–

4.1 उद्यमिता जागृति शिविर :– विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी वर्ग के विद्यार्थियों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिये तथा प्रेरित करने के उद्देश्य से विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से राज्य के शिक्षण संस्थाओं तथा इंजीनियरिंग कॉलेज /पॉलिटेक्निक /आई.टी.आई. /विज्ञान संकाय कॉलेज इत्यादि मे उद्यमिता विकास कार्यक्रम एवं जागृति शिविरों का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है।

4.2 Knowledge Agumentation through Research in Young Aspirants (KARYA) :– इस कार्यक्रम के तहत Basic Sciences (भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित व जीव विज्ञान) के विद्यार्थी, जो कि राजस्थान राज्य सरकार संस्थानों (राज्य सरकार विश्वविद्यालयों व सरकारी कॉलेज) में अध्यनरत हैं, को अल्पकालिक परियोजनाओं पर आठ सप्ताह तक भारतवर्ष के विभिन्न उच्च्य शिक्षण संस्थानों (DAE's, DBT's, IIT's, CSIR's, DST's, UGC, MHRD व अन्य) में कार्य करने का अवसर प्रदान किया जाता है। KARYA योजना अंतर्गत वर्ष 2024–25 के लिए 38 विद्यार्थियों को फैलोशिप प्रदान की गयी है। साथ ही KARYA में वर्ष 2025–26 के लिये विज्ञप्ति जारी की जा चुकी है।

5. अनुसंधान एवं विकास योजना :–

अनुसंधान एवं विकास योजना के अंतर्गत ऐसे कार्यक्रमों व अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिये वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है जो राज्य के साधारण नागरिक के जीवन स्तर में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से व्यापक सुधार करने में सहायक सिद्ध होगी।

5.1. अनुसंधान एवं विकास परियोजनायें :– राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों /संस्थाओ से राज्य की ज्वलंत व मूलभूत समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते हैं। विषय विशेषज्ञ समिति (Expert Advisory Committee) की अनुशंषा के आधार पर चयनित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। आलौच्य वित्तीय वर्ष 2024–25 में 20 अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाया जाना प्रक्रियाधीन है।,

5.2. कार्यशाला /सेमीनार /कॉन्फ्रेन्स /मीटिंग्स :– विज्ञान के बदलते परिप्रेक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न आयामों में हुई नवीनतम खोज /उपलब्धियों पर विचार–विमर्श एवं प्रचार प्रसार हेतु समय–समय पर आयोजित होने वाली कार्यशाला /सेमीनार /कॉन्फ्रेन्स व बैठकों के लिए विभाग द्वारा वित्तीय सहायता, उत्प्रेरक राशि के रूप में प्रदान की जाती है। आलौच्य वित्तीय वर्ष 2024–25 में 06 विभिन्न कार्यशाला /सेमीनार के आयोजन हेतु राशि रु 5.4 लाख की अनुदान दी जा चुकी है।

6. जैव प्रौद्योगिकी योजना :–

जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास हेतु ऐसी परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने के लिये वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है जो राज्य के साधारण नागरिक के जीवन स्तर में जैव प्रौद्योगिकी के माध्यम से व्यापक सुधार करने में सहायक सिद्ध होंगी ।

6.1 जैव प्रौद्योगिकी परियोजनायें :– राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों/संस्थाओ से राज्य की ज्वलंत व मूलभूत समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए जैव प्रोद्योगिकी क्षेत्र में अनुसंधान हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते है। विषय विशेषज्ञ समिति (Expert Advisory Committee) की अनुशंषा के आधार पर चयनित प्रस्तावों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। आलौच्य वित्तीय वर्ष 2024–25 में 11 प्रस्तावों को वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाया जाना प्रक्रियाधीन है।

6.2 कार्यशाला/सेमीनार/कॉन्फ्रेन्स/मीटिंग्स :– विज्ञान के दिन–प्रतिदिन बदलते हुए परिप्रेक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न आयामों में हुई नवीनतम खोज/उपलब्धियों के विचार–विमर्श एवं प्रचार प्रसार हेतु समय–समय पर आयोजित होने वाली कार्यशाला/सेमीनार/कॉन्फ्रेन्स व बैठकों के लिए विभाग द्वारा वित्तीय सहायता, उत्प्रेरक राशि के रूप में प्रदान की जाती है आलौच्य वित्तीय वर्ष 2024–25 में 02 कार्यशाला/सेमीनार के आयोजन हेतु 2.0 लाख रूपये की अनुदान राशि दी जा चुकी है।

7. पेटेन्ट सूचना केन्द्र

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में स्थापित पेटेंट सूचना केन्द्र के द्वारा बौद्धिक सम्पदा अधिकार के प्रति जागरूकता पैदा करने हेतु कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। प्रतिवर्ष विभाग द्वारा बौद्धिक सम्पदा अधिकार एवं भौगोलिक संकेतांक पर कार्यशाला आयोजित करने के लिए स्वीकृतियां जारी की जाती हैं। विभाग द्वारा राज्य के 5 विश्वविद्यालयों मे आई.पी.आर. सेल स्थापित की जा चुकी हैं।

विभाग के पेटेंट सूचना केन्द्र के द्वारा आलोच्य वर्ष 2024–25 में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में IPR-TT Cell की स्थापना हेतु अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के संयुक्त तत्वाधन में एक दिवसीय कार्यशाला "One Day Hands-on Training Program on setting up of IPR-TT Cells in Higher Educational Institutions" का आयोजन जयपुर में किया गया, जिसमें 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

पेटेन्ट सूचना केन्द्र के अन्तर्गत क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 में दो पेटेन्ट अवेयरनेस केम्प कोटा में आयोजित किये जा चुके हैं एवं शेष 8 पेटेन्ट अवेयरनेस कैम्प निम्नानुसार आयोजित कराये जाने हैं:–

क्र.स.	क्षेत्रीय कार्यालय	पेटेन्ट अवेयरनेस कैम्पों की संख्या
1	अजमेर (मुख्यालय, जयपुर)	02
2	जोधपुर	02
3	उदयपुर	03
4	बीकानेर	01
	कुल आई.पी.आर. कैम्पों की संख्या	08

वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिये पेटेन्ट सूचना केन्द्र के अन्तर्गत महिला अभियांत्रिक महाविद्यालय, अजमेर एवं राजकीय मीरा महिला महाविद्यालय, उदयपुर को आई.पी.आर. वर्कशॉप/सेमिनार आयोजित कराने के लिये सहायतार्थ अनुदान दिया जा चुका है एवं अन्य 11 संस्थानों को आई.पी.आर. वर्कशॉप/सेमिनार आयोजित कराने के लिये सहायतार्थ अनुदान दिये जाने के लिये कार्यवाही की जा रही है।